

# Hindi Murli Quiz 22-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है। मुरली सुनने के लिए [यहाँ](#) क्लिक करें। पुरानी क्विज के लिए [यहाँ](#) क्लिक करें।

**Q.1) वाक्यों को अर्थ अनुसार ही परस्पर मिलाएं ----**

	Choice		Match
A	जो जितनी आत्माओं को बाप का परिचय देने के निमित्त बनते हैं,	1	उतना ही अभी खुशी की प्राप्ति और भविष्य में राज्य पद की प्राप्ति होती है।
B	टीचर्स को विशेष लिफ्ट की गिफ्ट है,	2	डबल लाइट भी बन जाते और सफलता भी मिल जाती।
C	निमित्त समझने से मायाजीत बन जाते,	3	उन्हें एक का पदमगुणा फल मिल जाता है
D	मै-पन आया अर्थात् माया का गेट खुला,	4	निमित्त समझा अर्थात् माया का गेट बन्द हुआ।
E	जो समय पर सहयोगी बनते हैं,	5	क्योंकि टीचर्स को सिवाए ईथरीय सेवा के और कोई भी बोझ नहीं।

**Q.2)** वर्तमान समय अन्तिम स्वरूप वा अन्तिम कर्तव्य विश्व कल्याण का ही है। लक्ष्य सबका एक ही है विश्व कल्याण करने का, लेकिन कोई अभी तक स्व कल्याण में ही लगे हुए है, और कोई स्वदेश के कल्याण करने में लगे हुए है। बहुत थोड़े ही बेहद के बाप समान बेहद अर्थात् विश्व की सेवा में अथवा विश्व कल्याणकारी स्वरूप में स्थित रहते हैं।

- A. ☐ True / ये वाक्य सही है  
B. ☐ False / ये वाक्य गलत है

**Q.3)** बापदादा द्वारा बताई विधि से समर्थ धरनी बनाने के बाद ऐसी आत्मा प्रति थोड़ी-सी मेहनत करने से, वहम भाव और अहम् भाव न रखने से कमजोर आत्मा में भी परिवर्तन हो जायेगा। चाहे कितना भी कमजोर हो परन्तु "तुम कमजोर हो" नहीं कहना। पहले समर्थ बनाकर फिर शिक्षा दो। पहले उनकी विशेषता की महिमा करो फिर उसको आगे के लिए और भी श्रेष्ठ आत्मा बनने का साधन, कमजोरी पर अटेंशन दिलाओ। पहले धरनी पर हिम्मत और उत्साह का हल चलाओ फिर बीज डालो तो सहज ही बीज का फल निकलेगा।

- A. ☐ False  
B. ☐ True

**Q.4)** वास्तव में विश्व कल्याणकारी अर्थात् रहमदिल होना। लेकिन उनका रहम दो बातों के कारण समाप्त हो जाता है --वहम भाव और अहम भाव। इसलिए स्व कल्याण वा देश कल्याण तक ही रह जाते हैं। ऐसी स्थिति में बापदादा ने बच्चों को विश्व कल्याणकारी बनने के जो सहज साधन बताये हैं उनको स्पष्ट करें --

- A. ☐ उसके बाद उस आत्मा के वास्तविक स्वरूप और गुण को सामने रखते हुए महिमा करो।  
B. ☐ कैसी भी अवगुणधारी आत्मा हो, तुम कभी भी उन आत्माओं की बुराई वा कमजोरियों को दिल पर न रखो।  
C. ☐ स्वयं तो उसके अवगुण धारण नहीं करो लेकिन उसको भी अपने अवगुण विस्मृत करा समर्थ बना दो।  
D. ☐ विश्व कल्याणकारी, विश्व अधिकारी, मास्टर रचता--इन तीन संबंधों से उसको क्षमा करो।  
E. ☐ संगमयुग की विशेषता वा वरदान क्या है-उसे याद दिलाओ।

**Q.5)** वाक्यों के अर्थ अनुसार ही परस्पर मिलाएं-----

	Choice		Match
A	हर बात को नॉलेजफुल समर्थ स्थिति द्वारा सहज पास करो,	1	तो फाइनल स्टेज पर पास विद आनर हो जायेंगे।
B	जब तक स्व स्थिति शक्तिशाली नहीं होगी,	2	तो सदा महावीर, मायाजीत और निर्भय रहेंगे।
C	परिस्थिति प्रकृति द्वारा आती है इसीलिए रचना है,	3	तो परिस्थिति के ऊपर विजय नहीं होगी।
D	अपनी सीट छोड़ते हो तो माया से हार होती,	4	स्वस्थिति वाला रचता है तो सदा रचना के ऊपर विजय होती है।
E	हर परिस्थिति में बाप स्मृति में रहे तो डबल बन गए,	5	नीचे नहीं आना, नीचे है ही देह- अभिमान रूपी माया की धूल।

Q.6) वास्तव में विश्व कल्याणकारी अर्थात् रहमदिल होना । लेकिन चलते-चलते उनका रहम दो बातों के कारण समाप्त हो जाता है – रहम भाव के बदले वहम भाव पैदा कर देते हैं और अहम भाव आ जाता है । मुरली में दिये गए वहम भाव के सभी संकल्प चयन करके वहम भाव को स्पष्ट करें --

- A. ☐ यह हैं ही ऐसे,
- B. ☐ सब तो राजा बनने वाले नहीं हैं,
- C. ☐ यह कभी बदल नहीं सकते,

Q.7) वास्तव में विश्व कल्याणकारी अर्थात् रहमदिल होना । लेकिन चलते-चलते उनका रहम दो बातों के कारण समाप्त हो जाता है – वहम भाव और अहम भाव । मुरली में दिये गए सभी अहम भाव अर्थात् मैं-पन के संकल्प चयन करें जिसके कारण रहमदिल नहीं बन पाते ----

- A. ☐ मैं सब कुछ कर सकता हूँ
- B. ☐ यह कुछ नहीं कर सकते,
- C. ☐ मैं ही सब कुछ हूँ,
- D. ☐ यह कुछ नहीं है ,

Q.8) हिम्मतहीन कमजोर संस्कारवश आत्मा अर्थात् कलराठी जमीन में बीज डालते हैं तो मेहनत और समय ज्यादा लगता है और सफलता कम निकलती है, परिणाम स्वरूप -----कल्याण के कार्य में सोचने वा करने की फुर्सत नहीं मिलती । स्व कल्याण या देश कल्याण में ही लगे रहते हैं । इसलिए इस वर्ष में -----कल्याणकारी स्थिति की विधि द्वारा ----- कल्याण की सेवा की गति तीव्र बनाओ । रहमदिल बनो ।

[निम्नलिखित विकल्पों में से मुरली का उत्तर चयन कर सभी रिक्त स्थान भरें]

- A. ☐ जन
- B. ☐ विश्व
- C. ☐ स्वदेश
- D. ☐ स्व

Q.9) "मास्टर ज्ञान सागर बन गुड़ियों का खेल समाप्त करने वाले -----स्वरूप भव ।"

[निम्नलिखित विकल्पों में से मुरली अनुसार सही उत्तर से रिक्त स्थान भरें ]

- A. ☐ स्मृति सो समर्थ,
- B. ☐ विष्णु सो ब्रह्मा]
- C. ☐ बालक सो मालिक,
- D. ☐ ब्रह्मा सो विष्णु,
- E. ☐ विष्णु सो ब्रह्मा]

Q.10) विश्व कल्याणकारी अर्थात् रहमदिल आत्मा जो कैसी भी अवगुणधारी आत्मा हो, हरेक आत्मा के प्रति लाफुल और लवफुल होगी । आज की मुरली के अनुसार विश्व कल्याणकारी श्रेष्ठ आत्मा की मुख्य निशानियाँ क्या होगी? सभी का चयन करें ---

- A. ☐ तन मन और प्राप्त धन सदा विश्व सेवा में अर्पण करेंगे ।
- B. ☐ उनके मस्तक और नयनों में सदा विश्व की सर्व आत्माएं स्मृति वा दृष्टि में होंगी ।
- C. ☐ यही संकल्प होगा कि सर्व को तृप्त अथवा सम्पन्न कैसे बनायें, उनको सम्पर्क और सम्बन्ध में कैसे लाये ।
- D. ☐ अथक, निरन्तर सेवाधारी होंगे ।
- E. ☐ दिन-रात बाप द्वारा शक्तियों का वरदान लेते हुए सर्व को देने वाले दाता होंगे ।
- F. ☐ विश्व कल्याणकारी हर सेकेण्ड वा संकल्प विश्व कल्याण के प्रति ही लगायेंगे ।